

**MASTER OF ARTS  
(POLITICAL SCIENCE)**

**Term-End Examination**

**December, 2017**

**MPSE-004 : SOCIAL AND POLITICAL THOUGHT  
IN MODERN INDIA**

*Time : 2 hours*

*Maximum Marks : 50*

*Note : Attempt five questions in all, selecting at least two questions from each section. All questions carry equal marks. Each question is to be answered in about 400 words.*

**SECTION - I**

1. Critically explain the salient features of modern Indian political thought.
2. Discuss Sir Syed Ahmad Khan's contribution to modern education.
3. Describe the Gandhian concept of Swaraj.
4. Outline the main arguments of B.R. Ambedkar in favour of preferential treatment to the disadvantaged.
5. Discuss the socialist thought of Loknayak Jayaprakash Narayan.

## SECTION - II

6. Outline the contribution of EMS Namboodripad to the communist thought in India.
  7. Write a note on the contribution of Nazarul Islam to the growth of Indian nationalism.
  8. Discuss Maulana Maudoodi's views on nationalism.
  9. Evaluate Golwalkar's views on religious minorities in India.
  10. Discuss briefly Swami Vivekananda's views on nationalism.
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम  
( राजनीति शास्त्र )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.पी.एस.ई.-004 : आधुनिक भारत में सामाजिक और  
राजनीतिक चिंतन

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

**नोट :** कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें, प्रत्येक अनुभाग में से कम से कम दो  
प्रश्न चुनते हुये प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें।  
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

अनुभाग - I

1. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन के विशिष्ट लक्षणों की आलोचनात्मक व्याख्या करें।
2. आधुनिक शिक्षा के संदर्भ में सर सयद अहमद खान के योगदान की चर्चा करें।
3. स्वराज की गांधीवादी अवधारणा का वर्णन करें।
4. वंचितों के हक में वरीयता पूर्ण (preferential) व्यवहार के समर्थन में बी.आर. अम्बेडकर के मुख्य तर्कों को रेखांकित करें।
5. लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समाजवादी चिंतन की चर्चा करें।

## अनुभाग - II

6. भारत में साम्यवादी चिंतन के संदर्भ में ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद के योगदान को रेखांकित करें।
  7. भारतीय राष्ट्रवाद की वृद्धि के संदर्भ में नज़रुल इस्लाम के योगदान पर एक लेख लिखें।
  8. राष्ट्रवाद पर मौलाना माऊदूदी के विचारों की चर्चा करें।
  9. भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर गोलवालकर के विचारों का मूल्यांकन करें।
  - 10 राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की संक्षिप्त चर्चा करें।
-